इंतजार की आहटों

जीवन की यात्रा में,
एक इंतजार उठा
एक बार उस चेहरा देखने केलिए,
जिजीविषय के प्रेरणा है,
यह इंतजार,
मेरा मन का दरवाज..!
खून की यात्रा मे,
एक बार उसने देख्या,
साँस के बिना, लाश!
मन काँपता है,
और अभी भी रुक नहीं।
बचने को प्रयास नहीं था,
रिश्ती की शब्द खराबी है!
मिट्ठी से थपथपाना,
हवाँ ने पूछा:
तू कौन है?
तू इस जगह का

एक छोटी सी कण!
और मैं कहूँ;
हाँ, मैं एक कण,
प्यार की असीम समुद्र को
दो मन जोड़ता
एक छोटी कण!
प्यार मेरी आशा की हीरियें
बरसते की समय,
मेरा आखँ का नदी
आप केलिए खोलता है।
मेरा साँस की पेड़ों,
आप केलिए झूलता है।
मेरा कान की संगीत,
आप केलिए क्या गाता है।
अंधकार के बंधन के बीच
सुना एक चीख;
रात की चाँदनी
पहली बार तनहाई हुआ!
चमकीला तारों के बिना

एक शून्य रोशनी,
ख्यालों का शिखरों में
आराम दिया।
आज मेरा मन,
टूटा हुआ संगीत है,
हंसतों का अपस्वर में
रास्ता कोयला होती!
और कोयला से,
अग्नी उठना का समय,
जानता थी,
मेरा आँख मेरा आँख नहीं!
मेरा कान मेरा कान नहीं!
मेरा साँस मेरा साँस नहीं!